19

पत्रावली पेश हुई। पी. अ. प्रपकाश/प्र
कार्यों में व्यस्त। आयन्दा पत्रावली
दिनांक 11/4/19 को पेश हो।
पीठा

11/4/19 पत्रावली पेश हुई। पी. अ. प्रपकाश/प्र
कार्यों में व्यस्त। आयन्दा पत्रावली
दिनांक 6/6/19 को पेश हो।
पीठा

6/6/19 पत्रावली पेश हुई। पी. अ. प्रपकाश/प्र.
कार्यों में व्यस्त। आयन्दा पत्रावली
दिनांक 8/8/19 को पेश हो।
पीठा

8/8/19, पत्रावली पेश हुई। पत्रावली आयन्दा दिनांक 22/8/19 को पेश हो।

22/8/19. पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी अनुपस्थित। न्यायालय के निर्धारित समय तक परिसर में जोर-जोर से आवाजें लगाई गई। न तो प्रार्थी एवं न ही प्रार्थी का वकील उपस्थित हुआ। पत्रावली का अवलोकन करने पर पाया कि करीब 5 वर्ष से प्रार्थना पत्र तलबी की स्टेज पर ही चल रही है। वकील प्रार्थी ने अभी तक केवल एक बार तलबाना पेश किया है। इन तथ्यों से स्पष्ट है कि प्रार्थी अपने प्रा.पत्र के प्रति गंभीर नहीं है। अत: प्रार्थना पत्र आलाई निवेदाना। अदम हाजिरी अदम पैरवी में इसी स्टेज पर खारिज